

## सुने री मैंने निरबल के बल राम

सुने री मैंने निरबल के बल राम ,  
पिछली साख भरूँ संतन की अड़े सँवारे काम

जब लग गज बल अपनो बरत्यो, नेक सरयो नहीं काम ,  
निर्बल है बल राम पुकार्यो,आये आधे नाम  
सुने री मैंने निरबल के बल राम

दुपद सुता निर्बल भई ता दिन ,तजि आये निज धाम ,  
दुस्सासन की भुजा थकित भई, वसन रूप भये राम  
सुने री मैंने निरबल के बल राम

अप बल,तप बल और बाहु बल ,चौथा है बल राम ,  
सूर किशोर कृपा से सब बल हारे को हरिनाम  
सुने री मैंने निरबल के बल राम

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15346/title/sune-ri-maine-nirbal-ke-bal-ram>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |